

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय  
स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन

**MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL**  
**Kala Ratna Diploma in performing art- (K.R.D.P.A.)**  
**2020 -21 (Private)**  
**Previous**

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - I History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
3	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
4	PRACTICAL - II Stage Performance	100	33
	GRAND TOTAL	400	132

स्कूल स्तर के पाठ्यक्रम  
स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट- प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – प्रथम प्रश्न पत्र

समय:– 3 घण्टे

पूर्णांक:– 100

1. कथक नृत्य का उदभव एवं विकास।
2. अभिनय की परिभाषा एवं प्रकारों का ज्ञान।
3. अभिनय दर्पण के अनुसार असंयुक्त एवं संयुक्त हस्त भेदों का अध्ययन एवं कथक नृत्य में उनका महत्व।
4. नाट्यशास्त्र के अनुसार रस एवं भाव की व्याख्या एवं उनके प्रकारों का विशुद्ध अध्ययन।
5. अभिनय दर्पण के अनुसार 'दशावतार हस्त' का ज्ञान।
6. देवदासी प्रथा का इतिहास एवं भारतीय नृत्यों के विकास में उसका योगदान।
7. लखनऊ के नवाब वाजिदअली शाह एवं रायगढ़ के राजा चक्रधर सिंह के कार्यकालों का विशेष उल्लेख करते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू दरबारों में कथक नृत्य का उद्धार एवं पुनर्विकास की जानकारी।
8. लोकधर्मी, नाट्यधर्मी एवं पूर्वरंग का अध्ययन।
9. सोलह श्रृंगार एवं बारह आभूषणों की जानकारी एवं कथक नृत्य में उनके महत्व का ज्ञान।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट— प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – द्वितीय प्रश्नपत्र

समय:— 3 घन्टे

पूर्णांक:—100

1. नृत्य से संबंधित सामान्य विषयों पर निबन्ध।
2. प्रायोगिक पाठ्यक्रम में उल्लिखित तालों के ठेकों एवं उनमें तोड़े, परन, कवित्त, तिहाई आदि लिपिबद्धकरने का अभ्यास।
3. दिए गये कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य संरचना करने का अभ्यास :—कालियादमन, द्रोपदी वस्त्र हरण एवं अभिसारिका नायिका।

बिन्दु— संक्षिप्त कथावस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्र चयन, वेशभूषा, रूप—सज्जा , पार्श्वसंगीत, ताल एवं रस।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट— प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक – वायवा

1. गुरु वंदना, शिव वंदना, एवं सरस्वती वंदना में से किन्हीं दो से संबंधित श्लोक पर भाव प्रदर्शन।
2. ठाठ का विस्तृत प्रदर्शन।
3. त्रिताल में नृत्य पक्ष के सम्पूर्ण बोल, कवित्त एवं तिहाईयों के विविध प्रकारों के साथ लगभग आधे घन्टे तक उच्चस्तरीय नृत्य प्रदर्शन की क्षमता।
4. किन्हीं पाँच गत निकासों का प्रदर्शन।
5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो गत भावों का प्रदर्शन :—  
कालियादमन, माखन चोरी एवं होली।
6. विविध प्रकार के तत्कार एवं लयबॉट आदि की प्रस्तुति।
7. किसी एक पर भाव प्रदर्शन – तराना एवं भजन।
8. निम्नलिखित में से किसी एक ताल में निम्नानुसार नृत्य करने का अभ्यास :—  
पंचम सवारी (15—मात्रा), एवं रूद्र (11—मात्रा) में ठाठ एक आमद, तीन तोड़े, दो परन, दो चक्करदार तोड़े अथवा परन, एक कवित्त एवं तत्कार।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट– प्रथम वर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष लगभग एक घण्टे तक उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

**आंतरिक मूल्यांकन**

**आवश्यक निर्देश—:** आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिकपरीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमा की रिपोर्ट

**राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय**

**स्कूल स्तर कथक पाठ्यक्रम अंक विभाजन**

**MARKING SCHEME OF SCHOOL LEVEL**

**Kala Ratna Diploma in performing art- (K.R.D.P.A.)**

**2020 -21 (Private)**

**Final**

PAPER	SUBJECT - Kathak	MAX	MIN
1	Theory - I History and Development of Indian dance	100	33
2	Theory - II Essay composition, rhythmic pattern and principles of practical	100	33
3	PRACTICAL - I Demonstration & Viva	100	33
4	PRACTICAL - II Stage Performance	100	33
	GRAND TOTAL	400	132

स्कूल स्तर के पाठ्यक्रम  
स्वाध्यायी विद्यार्थियों हेतु  
कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट—अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – प्रथम प्रश्नपत्र

समय:— 3 घन्टे

पूर्णांक:— 100

1. कथक नृत्य के विभिन्न घरानों का परिचयात्मक ज्ञान एवं उनकी शैलीगत विशेषताओं का अध्ययन।
2. विभिन्न शास्त्रीय नृत्य शैलियों का ज्ञान।
3. ताल के दस प्राणों का विस्तृत अध्ययन।
4. गुरु शिष्य परम्परा एवं उसका महत्व।
5. भारत के लोक नृत्यों की संक्षिप्त जानकारी।
6. अष्टनायिका एवं चार प्रकार के नायक का विस्तृत अध्ययन।
7. अभिनय दर्पण के अनुसार देव हस्तों का ज्ञान।
8. 'बैले' (नृत्य नाटिका) का उद्भव एवं विकास तथा कथक नृत्य में उसका योगदान।
9. कथक नृत्य के भावपक्ष में विषय वस्तु एवं उनकी प्रस्तुति की विविधता का ज्ञान :—  
वंदना, गतभाव, तुमरी, भजन, कवित्त।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट—अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

शास्त्र – द्वितीय प्रश्नपत्र

समय:— 3 घन्टे

पूर्णांक:— 100

1. नृत्य से सम्बन्धित सामान्य विषयों पर निबंध।
2. प्रायोगिक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत सीखे गये तालों के ठेके एवं उनमें तोड़े, परन, कवित्त, तिहाई आदिलिपिबद्ध करने की क्षमता।
3. नीचे दिये गये कथानकों में निम्नलिखित बिन्दुओं के आधार पर नृत्य संरचना करने का अभ्यास।

खण्डिता नायिका एवं सीता हरण।

बिन्दु :- संक्षिप्त कथा वस्तु, रंगमंच व्यवस्था, पात्रचयन, वेशभूषा, रूप—सज्जा, पार्श्व संगीत, ताल एवं रस।

कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट—अंतिम वर्ष

कथक नृत्य

प्रायोगिक – वायवा

1. पिछले पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
2. गणेश वंदना एवं कृष्ण वंदना से सम्बन्धित श्लोकों में भाव प्रदर्शन।
3. त्रिताल में निम्नानुसार नृत्य अभ्यास :-  
तिस्त्र एवं मिश्र जाति की परन, दर्जा, फरमाईशी चक्करदार, नवहक्का, गणेश परन, शिव परन, अतीत, अनागत के तोड़े या परन विभिन्न प्रकार के कवित्त।
4. विभिन्न प्रकार के तत्कार एवं लयबॉट आदि का प्रदर्शन।
5. घूँघट एवं मुरली के विविध प्रकारों का गतनिकास के साथ अभ्यास।
6. निम्नलिखित में से दो गतभावों का अभ्यास :-  
भस्मासुर, द्रोपदी वस्त्रहरण एवं नायिका भेद।
7. बसंत (9—मात्रा), षिखर (17—मात्रा) में से किन्हीं एक ताल में निम्नानुसार नृत्य करने की क्षमता :-ठाठ, एक आमद, तीन तोड़े, दो परन, दो चक्करदार तोड़े और परन, एक कवित्त एवं तिहाई आदि।
8. चतुरंग या तिरवट पर नृत्य प्रदर्शन।
9. तुमरी और भजन पर भाव प्रदर्शन।

## कला रत्न डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट—अंतिम वर्ष

### कथक नृत्य

#### प्रायोगिक – मंच प्रदर्शन

आमंत्रित दर्शकों के समक्ष उच्चस्तरीय नृत्य का मंच प्रदर्शन।

संदर्भित पुस्तकें :-

1. अभिनय दर्पण (डॉ. वाचस्पति गैरोला)
2. भारतीय संस्कृति में कथक परम्परा (डॉ. मांडवी सिंह)
3. कथक नृत्य शिक्षा भाग दो (डॉ. पुरु दाधीच)
4. कथक मध्यमा (डॉ. भगवानदास माणिक)

#### आंतरिक मूल्यांकन

**आवश्यक निर्देश—:** आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत प्रत्येक सेमेस्टर एवं प्रत्येक कोर्स के विद्यार्थियों को प्रायोगिक

परीक्षा के समय दो फाईल प्रस्तुत करनी होगी।

1. कक्षा में सीखे गये रागो की स्वर लिपि/तोड़ो का विवरण
2. विश्वविद्यालय एवं नगर में आयोजित संगीत कार्यक्रमों को रिपोर्ट



